

4-5-21

(पञ्जाबी) पत्र (द्वि) राजीव अमिकापत्र उपरिष्ठ,  
 राजीव अमिकापत्र का कथन (पत्र) राजीव  
 अमिकापत्र का कथन है कि इस प्रकार की  
 (पञ्जाबी) पत्र ले ही शरद्वर 0 343/2021  
 उपरिष्ठी सफात कानन शकुन्तलादेवी लखित है  
 जिसके कागजी नार्वर 0 10-5-22 लिखत है। अतः  
 इस (पञ्जाबी) के दूरे नम्वर से कन कल (पञ्जाबी)  
 से 0 343/21 में शामिल किया जाये। कने विद्यात  
 राजीव अमिकापत्र के कथन से इस सफत है।  
 अतः विद्यात (पञ्जाबी) के (पञ्जाबी) से  
 343/21 उपरिष्ठी सफात कानन शकुन्तलादेवी  
 में शामिल किया जाकल निष्ठाण किया जाये।  
 (पञ्जाबी) दूरे नम्वर से कन ही।

अति कम्पटर (द्वितीय)  
 जयपुर